हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 49 | देहरादून, सोमवार, 08 अगस्त, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

जिलाधिकारी विनय शंकर पांडेय ने श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज के कार्यों की प्रशंसा की 3

गृहमंत्री अमित शाह से मिले सीएम धामी

पुलिस आधुनिकीकरण योजना के लिए प्रतिवर्ष 20 करोड़ की मांग रखी

सलीम सैफ़ी की विशेष रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय सहकारिता मंत्री से केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही प्रति पैक्स 50 हजार रूपये की धनराशि को बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा 670 पैक्स के लिए 3.35 करोड़ रूपये की धनराशि आंकलित की गई है, यह प्रति पैक्स किये गये व्यय के सापेक्ष कम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड पैक्स कम्प्यूटरीकरण में अग्रदूतों में से एक है तथा पर्वतीय राज्य है। पर्वतीय राज्यों को प्रदत्त की जानी वाली सहायता को 90:10 के अनुपात में मिलने से उत्तराखण्ड को बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में 670 पैक्स द्वारा कुल 18.76 करोड़ रूपये का व्यय किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की 108 से अधिक पैक्स लाइव हो चुकी हैं। जो सॉफ्टवेयर पर अपना दैनिक लेन देन कर रही है। अवशेष 502 समितियों का कार्य अगले 6 महीनों में पूर्ण किया जाना है। मुख्यमंत्री ने सभी प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियों को कम्प्यूटरीकृत करने के निर्णय पर केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह का आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इससे निश्चित रूप से समितियों के कामकाज में क्रांतिकारी बदलाव आएगा और सहकारी क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण सुधारों में से एक साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड पैक्स के कम्प्यूटरीकरण में अग्रणी राज्यों में से एक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस आधुनिकीकरण योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2014-15 तक उत्तराखंड राज्य को प्रतिवर्ष औसतन 13 करोड़ रुपए स्वीकृत होते थे किंतु वर्ष 2015 -16 से यह धनराशि घट कर प्रतिवर्ष औसतन मात्र 5 करोड़ रुपए रह गयी है। इस योजना के अंतर्गत राज्य हेतु प्रतिवर्ष 20 करोड़ रुपये करने का अनुरोध किया।महिला एवं बाल्य सुरक्षा के साथ अन्य अवसंरचनात्मक सुदृनिकरण हेतु 25 करोड़ रुपए निर्भया फण्ड के अंतर्गत स्वीकृत करने का अनुरोध भी मुख्यमंत्री ने किया।

BADP(सीमांत क्षेत्र विकास कार्यक्रम) के अंतर्गत राज्य की सीमांत 11 पुलिस चौकियों के भवन निर्माण हेतु 33 करोड़ रुपए स्वीकृत करने, CYBER CRIME PREVENTION AGAINST women and children SCHEME के अंतर्गत CYBER LAB को सुदृढ़ करने हेतु रु. 8 करोड़ स्वीकृत करने का आग्रह भी मुख्यमंत्री ने किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड पुलिस की आवासीय सुविधा 18% से बढ़ाकर 25% करने हेतु रु. 500 करोड़ के विशेष पैकेज की आवश्यकता है। जिसमे प्रथम चरण में रु. 250 करोड़ स्वीकृत करने का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री को प्रदेश में चल रही हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों से भी अवगत कराया।

भाजपा के ज़ाकिर हुसैन और जावेद मलिक ने देवबन्द में निकाली अल्पसंख्यक मोर्चा पश्चिम क्षेत्र की तिरंगा यात्रा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देवबंद। देवबन्द में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व उत्तर प्रदेश प्रभारी ज़ाकिर हुसैन जी व भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा पश्चिमी क्षेत्र के अध्यक्ष जावेद मलिक के नेतृत्व में अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने तिरंगा यात्रा निकाली, भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाये जा रहें अमृत महोत्सव हर घर तिरंगा अभियान मे भागीदारी निभाने को लेकर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने भी तैयारी शुरू कर दी है, आज़ादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत उत्तर प्रदेश भाजपा ने तीन करोड़ घरों पर झंडा लगाने का अभियान शुरू किया है, जिसमे एक करोड़ घरों पर भाजपा कार्यकर्ता स्वयं एवं समाज के सहयोग से झंडा एवं ध्वज हेतु डंडा आदि लेकर घरों पर ध्वज लगवाने का कार्य करेंगे, इसी क्रम मे भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष जावेद मलिक ने भी हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए देवबन्द मे तिरंगा यात्रा करने का फैसला किया जिसमे समाज के लोगों मे चेतना जगाकर अल्पसंख्यक समुदाय के ज्यादा से ज्यादा घरों पर तिरंगा लहराया जा सके, 7 अगस्त को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ज़ाकिर हुसैन जी ने व क्षेत्रीय अध्यक्ष जावेद मलिक ने देवबन्द से यात्रा का आगाज़ किया, जिसमे भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया, इसके बाद भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष जावेद मलिक ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट कर उर्दू गेट पर तिरंगा यात्रा का समापन किया इस मौके पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के सहारनपुर जिलाध्यक्ष हैदर चौधरी, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष कँवरबीर सिंह, उपाध्यक्ष सगीर प्रधान, महामंत्री अहसान राव, सलाउद्दीन सैफी, एज़ाज़ मलिक, दाऊद गौड़, आरिफ हवारी, भाषा विभाग के सदस्य अनवर सैफी, मदरसा बोर्ड के सदस्य इमरान अहमद, शारिक जिया, कमल चुग, वकील अल्वी, फ़ख़्रू मलिक, नईम मलिक, समेत सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे

दिमाग पर काबू करेगा 'पास्ट लाइफ रिग्रेशन थैरेपी', जानिए कैसे

महविश की विशेष रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आज के समय में साइंस ने भले ही कितनी भी तरक्की कर ली हो या वैज्ञानिकों ने अनोखी खोज कर ली हो, लेकिन आज भी विज्ञान किसी के दिमाग का भेद जानने में सफल नहीं है। अगर आज के समय में दिमाग पर नियंत्रण करने के लिए कोई तरीका मौजूद है, तो वह

ध्यान और प्राणायाम ही है। इसी का एक हिस्सा 'पास्ट लाइफ रिग्रेशन थैरेपी' (पीएलआर) भी किसी के दिमाग पर काबू पाने का एक तरीका है।

हालांकि, कई लोग इस पर विश्वास नहीं करते या फिर इसे अंधविश्वास मानते हैं। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि यदि ये अंधविश्वास है तो ध्यान और प्राणायाम को भी अंधविश्वास माना जाना चाहिए। पास्ट लाइफ रिग्रेशन थैरेपी लगभग बीस हजार साल पुरानी तकनीक है। पास्ट लाइफ रिग्रेशन थैरेपी या हमारे बीते कल की यादो को वापस याद दिलाने का वो जरिया है, जिसके माध्यम से हम अपने आज को बदल सकते है।

अक्सर लोगों के साथ ऐसी समस्या आती है की बीते कल की कुछ यादे उन्हें आगे बढ़ने नहीं देती है। ऐसे में रिग्रेशन थैरेपी की मदद ली जा सकती है। पास्ट लाइफ रिग्रेशन थैरेपी के जरिये हम बीते कल को फिर से याद कर सकते है। पास्ट लाइफ रिग्रेशन थैरेपी के दौरान प्रश्नों की श्रृंखला को लगातार पूछा जाता है। इसके जरिए हम अपने अवचेतन मन को एक्टिव कर पुरानी बातो को फिर से याद करते हैं। इससे हम किसी भी दर्दनाक स्थिति से बाहर निकल सकते हैं। दरअसल, ये दो तरह का होता है, जिसमें एक होता है रिग्रेशन और दूसरा होता है प्रोग्रेशन। अब आप सोच रहे होंगे कि इनमें क्या अंतर है? दरअसल, रिग्रेशन में ध्यान के जरिए इंसान को उसके पिछले समय में ले जाया जा सकता है, वहीं प्रोगेशन की बात करें तो इसमें आने वाले समय में ले जाया जाता है।

'पास्ट लाइफ रिग्रेशन थैरेपी' एक प्रकार का सेल्फ हिप्नोटिज्म (आत्म-सम्मोहन) होता है, इसके तहत सांसों पर नियंत्रण पाकर पिछले जन्म या बीते समय में जाया जा सकता है। किसी भी इंसान का दिमाग, ध्यान की इस अवस्था में उस पर हावी नहीं होता। ऐसे में वह जो कुछ भी सोचता है उसे सच्चाई के बहुत करीब माना जाता है।

सिर्फ शादी पर नहाती है लड़कियां, ये है धुआं स्नान की रस्म

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारत में गर्मी हो या सर्दी नहाने की आदत सबकी होती है। महिलाओं की बात करें तो उन्हें तो बिना नहाये चैन ही नहीं मिलता है। लेकिन क्या आप यकीन करेंगे कि दुनिया की एक ऐसी भी सभ्यता है जहाँ महिलाओं को नहाने पर पाबंदी है। जी हाँ हम बात कर रहे हैं अफ्रीका के नॉर्थ-वेस्ट नामीबिया के कुनैन प्रांत में रहने वाली हिम्बा जनजाति की महिलाएं की , जिन्हे जिंदगी में सिर्फ एक बार नहाने की इजाजत है। वो भी सिर्फ तब जब उनकी शादी होती है। उन्हें पानी का इस्तेमाल करना मना है। यहां तक कि वे कपड़े भी नहीं धो सकतीं। यहां की महिलाओं की त्वचा का रंग भी लाल होता है। इसके पीछे भी एक बड़ा कारण है।

उमस भरी गर्मी के दौर में हिन्दुस्तान दिन में कई बार नहाता है। बाथरूम में देर तक शावर लेकर गर्मी और पसीना दूर करते हैं हम और आप लेकिन ये बात जानकर आपको बेहद ही अजीब लग रहा होगा और आप सोच रहे होंगे कि जब ये महिलाएं जिंदगी में सिर्फ एक बार नहाती हैं तो बेहद बदसूरत दिखती होंगी. तो आपकी जानकारी के लिए हम बता दें कि ये महिलाएं अपनी खूबसूरती को बरकरार रखने के लिए ही जिंदगी में एक बार ही नहाती हैं.

अपनी शादी में नहाती हैं ये महिलाएं

ये महिलाएं सिर्फ अपनी शादी में नहाती है और इससे पहले या इसके बाद वो पानी को हाथ तक नहीं लगाती है. दरअसल इन महिलाओ को पानी को हाथ लगाना भी मना है इसलिए ये महिलाए कपड़े तक नहीं धोती है. इन महिलाओ की तस्वीरें देखने पर आपको भी इनका रंग लाल लग रहा होगा लेकिन इसके पीछे भी एक वजह है. इस जनजाति की महिलाए भले ही कभी नहाती ना हो लेकिन ये एक जड़ीबूटी का इस्तेमाल करती है जिससे ये अपने शरीर को फ्रेश रखती है.

शरीर की बदबू दूर करने के लिए किया जाता है धुएं का इस्तेमाल

महिलाए इस जड़ी-बूटी को पानी में उबालकर उसके धुए को अपने शरीर पर लगाती है ताकि बिना नहाए उनके शरीर से बदबू ना आए. इतना ही नहीं अपने शरीर की चमड़ी को स्वस्थ रखने के लिए ये महिलाए जानवरो की चर्बी और हेमाटाइट

(लोहे की तरह एक खनिज तत्व) की धूल से एक खास तरह का लोशन भी बनाती है और उसका इस्तेमाल करती है. हेमाटाइट के कारण ही इनके शरीर का रंग लाल हो जाता है. इन महिलाओं को रेड मैन भी कहा जाता है.

सीएम धामी को मिली केंद्र की अनुमति, राज्य में लगेंगे बीएसएनएल के 1202 मोबाइल टावर

सलीम सैफ़ी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय मंत्री, रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना तकनीक अश्विनी वैष्णव से शिष्टाचार भेंट की। उत्तराखण्ड में मोबाइल नेटवर्क को मजबूत करने के मुख्यमंत्री के अनुरोध पर केंद्रीय मंत्री ने उत्तराखण्ड में बीएसएनएल के 1202 मोबाइल टावर की स्वीकृति दी। प्रत्येक मोबाईल टावर की लागत 1 करोड़ रुपये आएगी। मुख्यमंत्री ने टनकपुर-देहरादून के मध्य एक जनशताब्दी रेल सेवा शुरू किये जाने का भी अनुरोध किया।रूड़की-देवबन्द रेल परियोजना के सम्बन्ध में राज्य सरकार की ओर से अब तक प्रदत्त अंशदान की धनराशि 296.67 करोड़ को अंतिम करते हुए 50 प्रतिशत अंशदान के सापेक्ष शेष देय धनराशि 99.01 करोड़ का भुगतान करने से राज्य सरकार को मुक्त करने का भी आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में कुमाऊँ और गढ़वाल को जोड़ने के लिए देहरादून-काठगोदाम के मध्य चलने वाली एक मात्र रेल सेवा है। नेपाल बोर्डर होने के कारण वहाँ के लिए लोगों का आवागमन टनकपुर से ही होता है। इसलिए कुमाऊं-गढवाल कनेक्टीवीटी को और मजबूत करने के लिए टनकपुर-देहरादून मार्ग पर एक जनशताब्दी रेल को संचालित किया जाना जनहित में अत्यंत आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने टनकपुर बागेश्वर रेल लाइन को नेरोगेज के स्थान पर ब्रोडगेज बनाये जाने, हरिद्वार- देहरादून रेल लाइन को डबल लेन बनाने, हर्रावाला रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण, ऋषिकेश -उत्तरकाशी रेल लाइन तथा किच्छा - खटीमा रेल लाइन के निर्माण हेतु भी अनुरोध किया। जिनके संबंध में रेल मंत्री द्वारा सहमति व्यक्त की गयी। मुख्यमंत्री द्वारा टनकपुर से दिल्ली के मध्य चलने वाली पूर्णागिरी जन शताब्दी की यात्रा अवधि को कम करते हुए 05-06 घंटों में यात्रा पूर्ण कराने हेतु आवश्यक व्यवस्था करने का भी अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रूड़की-देवबन्द रेल परियोजना के संदर्भ में राज्य सरकार द्वारा विगत में परियोजना लागत का 50 प्रतिशत वहन करने हेतु प्रदत्त सहमति के क्रम में कुल परियोजना लागत रूपये 791.39 करोड़ के सापेक्ष उत्तराखण्ड राज्य द्वारा अब तक रूपये 296.67 करोड़ का अंशदान रेलवे को दिया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय रेल मंत्री से उत्तराखण्ड जैसे छोटे एवं पर्वतीय राज्य के सीमित वित्तीय संसाधनों को देखते हुए राज्य सरकार की ओर से अब तक प्रदत्त अंशदान की धनराशि को अंतिम करते हुए 50 प्रतिशत अंशदान के सापेक्ष शेष देय धनराशि 99.01 करोड़ का भुगतान करने से राज्य सरकार को मुक्त करने का अनुरोध किया।

नशे के दुष्प्रभावों को लेकर कैंट इंटर कॉलेज चकराता के बच्चों को किया जागरूक

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा कुर्सी सम्हालते ही नशे का कारोबार करने वाले तथा इसकी गिरफ्त में आए बच्चों आदि को नशे के दुष्प्रभाव से जागरूक बनाने की मुहीम शुरू की गयी है। इसी कड़ी में समय-समय पर गोष्टी कर व वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी थाना प्रभारियों को प्रभावी कार्यवाही करते हुए अपने अपने क्षेत्र में नशे के दुष्प्रभावों का प्रचार प्रसार कर तथा नशे के आदि हुए बच्चों को चिन्हित कर उनका प्रोफाइल बनाने तथा उनकी काउंसलिंग करने एवं नशा बेचने वालों को चिन्हित कर उनकी प्रोफाइल तैयार कर उन पर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करने तथा जो लगातार अवैध गतिविधियों में लिप्त हैं उनके विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट व गुंडा एक्ट में कार्यवाही करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश निर्गत किए गए थे,

इसी अभियान को आगे बढ़ाते हुए पुलिस अधीक्षक ग्रामीण और क्षेत्राधिकारी विकास नगर , थानाध्यक्ष चकराता ने समस्त अधिकारी कर्मचारी गणों की गोष्ठी कर भली-भांति अवगत कराया है। इसके साथ ही क्षेत्र में नशा खरीदने और बेचने वाले व सेवन करने वालो को चिन्हित किया जा रहा है। उनका प्रोफाइल भी तैयार किया जा रहा है, उनको चिन्हित कर उनकी काउंसलिंग कराई गई है, तथा नशा खरीदने व बेचने वालों पर भी कार्यवाही की जा रही है।

इसके साथ हीथानाध्यक्ष सतेंद्र सिंह भाटी द्वारा केंट इंटर कॉलेज चकराता में करीब 180 बच्चो को नशे के दुष्प्रभावों तथा नशे से बचने के उपायो के संबंध में विस्तार से अवगत कराया गया, जिसको उपस्थित बच्चो द्वारा ध्यान से सुनकर आत्मसात किया गया। जिसकी प्राचार्य व अध्यापकगणो तथा जनता ने इस प्रयास की प्रशंशा की है।

जिलाधिकारी विनय शंकर पांडेय ने श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज के कार्यों की प्रशंसा की

न्यूज वायरस नेटवर्क

कांवड़ मेला सकुशल संपन्न होने पर पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के निकट मां मनसा देवी चरण पादुका परिसर में सत्य ऑन लाइन द्वारा सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। सम्मान समारोह कार्यक्रम अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद अध्यक्ष एवं मां मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज के अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी विनय शंकर पांडेय मौजूद रहे। इस मौके पर मुख्यातिथि जिलाधिकारी विनय शंकर पांडेय ने अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद अध्यक्ष एवम मां मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि स्वामी जी ने

कोरोना काल में हर व्यक्ति की दिल खोलकर मदद की उन्होंने अपना संत होने का पूरा धर्म निभाया। सावन कावड़ मेंले में प्रशासन कोआर्थिक मदद की साथ शिव भक्त कावड़ियों की सेवार्थ दो एंबुलेंस स्वास्थ्य सेवाओं के लिए समर्पित भाव से प्रदान की। इस मौके पर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद अध्यक्ष व मां मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष रविंद्र पुरी महाराज ने कहा कि संतों का समूचा जीवन लोक कल्याण के लिए समर्पित होता है उन्होंने लोक कल्याण की भावना से करोना काल और सावन कावड़ मेला में कांवड़ियों की सेवा कर लोक कल्याणउन्होने कहा कि सूबे के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बधाई के पात्र हैं उन्होंने शिव भक्त कावड़ियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा कर व शिव भक्त कावड़ियों के पैर धोकर शॉल ओढ़ाकर माल्यार्पण कर स्वागत किया है वही दूसरी ओर जनपद के जिलाधिकारी विनय शंकर पांडेय और जिले के सभी अधिकारी भी बधाई के पात्र जिन्होंने अपनी सेवा देकर कावड मेला सकुशल संपन्न कराया है।

इस मौके पर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी विनय शंकर पांडेय को श्री महंत रविंद्र पुरी महाराज ने प्रशस्ति पत्र और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। सम्मान समारोह में पधारे जनपद के सभी अधिकारियों का श्री महंत रविंद्र पुरी महाराज व जिलाधिकारी विनय शंकर पांडेय ने संयुक्त रूप से प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले अधिकारियो में एडीएम बी एस बुधियाल,एडीएम पीएल शाह,सिटी मजिस्ट्रेट अवधेश कुमार सिंह,एसडीएम सदर पूरण सिंह राणा,नगर आयुक्त, दयानंद सरस्वतीसीओ सिटी मनोज कुमार ठाकुर, सीओ ट्रैफिक राकेश रावत,श्री गंगासभा अध्यक्ष प्रदीप झा,महामंत्री तन्मय वशिष्ठ,डॉक्टर नरेश चौधरी,दैनिक जागरण प्रभारी अनूप कुमार,प्रेस क्लब अध्यक्ष,श्रवण झा,महामंत्री अश्वनी अरोड़ा,पत्रकार प्रमोद गिरि,रोहित सिखौला,जहांगीर मालिक,विकास चौहान आदि को किया सम्मानित।कार्यक्रम समापन के बाद आयोजक पुरषोत्तम शर्मा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। सम्मान समारोह का कुशल संचालन डा सुनील बत्रा ने किया।कार्यक्रम में डॉक्टर संजय माहेश्वरी, मनोज मंत्री,हेमंत टुटेजा,प्रतीक सूरी,भोला शर्मा, उपस्थित रहे।

क्या आप जानते हैं सबसे पहले किसकी थाली में परोसी गई थी निहारी ?

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हमारे देश में न जाने ऐसे कितने राजा हुए, जिनका शासनकाल लंबा और प्रभावशाली रहा है. ऐसे में इन राजाओं की थाली में कुछ ऐसे व्यंजनों को परोसा जाता था जो बेहद ही अलग और स्वादिष्ट होते थे. उन्हीं व्यंजनों में से एक थी निहारी. जब भी हम मुगल और शाही पकवानों का जिक्र करते हैं तो सबसे पहला ख्याल बिरयानी, कोरमा या कबाब का आता है. लेकिन आपको बता दें कि इनके अलावा भी एक ऐसी डिश थी जिसे बेहद ही पसंद किया जाता था. उसका नाम था निहारी. इस डिश को मटन या मीट के माध्यम से तैयार किया जाता था. ऐसे में लोगों को निहारी से जुड़े कुछ तथ्यों के बारे में पता होना जरूरी है.

निहारी डिश का संबंध अवध से

जी हां, निहारी का संबंध अवध से माना जाता है. हालांकि इसके अस्तित्व से जुड़े कुछ और भी मतभेद हैं, जिस पर लोग विश्वास करते हैं. बता दें कि इस डिश को पहली बार 18वीं शताब्दी के अंत में मुगल साम्राज्य के अंतिम दौर में बना कर पेश किया गया था. उस समय ये डिश मगलों को बेहद ही पसंद आई, जिसके बाद इसे नवाबों की थाल में परोसा जाने लगा. ध्यान दें कि अरबी भाषा में इस डिश को नाहर के नाम से जाना जाता है. Also Read - Namkeen Tea Side Effects : चाय के साथ नमकीन खाना कितना सही? जाने लें यहां

मुगल बादशाह का था नाश्ता

पुराने समय में नवाब और मुगल बादशाह निहारी को नाश्ते के रूप में खाते थे. चूंकि इसे खाने से ऊर्जा मिलती थी और शरीर गर्म रहता था ऐसे में यह सिपाहियों की थाल में भी परोसा जाता था.

जब अवध पड़ा था अकाल

बता दे कि जब अवध में अकाल पड़ा था तो सबसे ज्यादा खाए जाने वाली डिश निहारी थी. यह वो दौर था जब अवध में इमामबाड़ा का निर्माण हो रहा था. आज के समय में निहारी पुरानी दिल्ली में काफी फेमस डिशेज में से एक है, जिसे तंदूरी रोटी के साथ खाया जाता है. यह कई तरीकों से तैयार की जाती है. कुछ लोग मीट की निहारी पसंद करते हैं तो कुछ मटन की निहारी खाते हैं.

बिजली का बिल हो जाएगा आधे से भी कम! आज ही बंद कर दें इन 3 डिवाइसों का इस्तेमाल

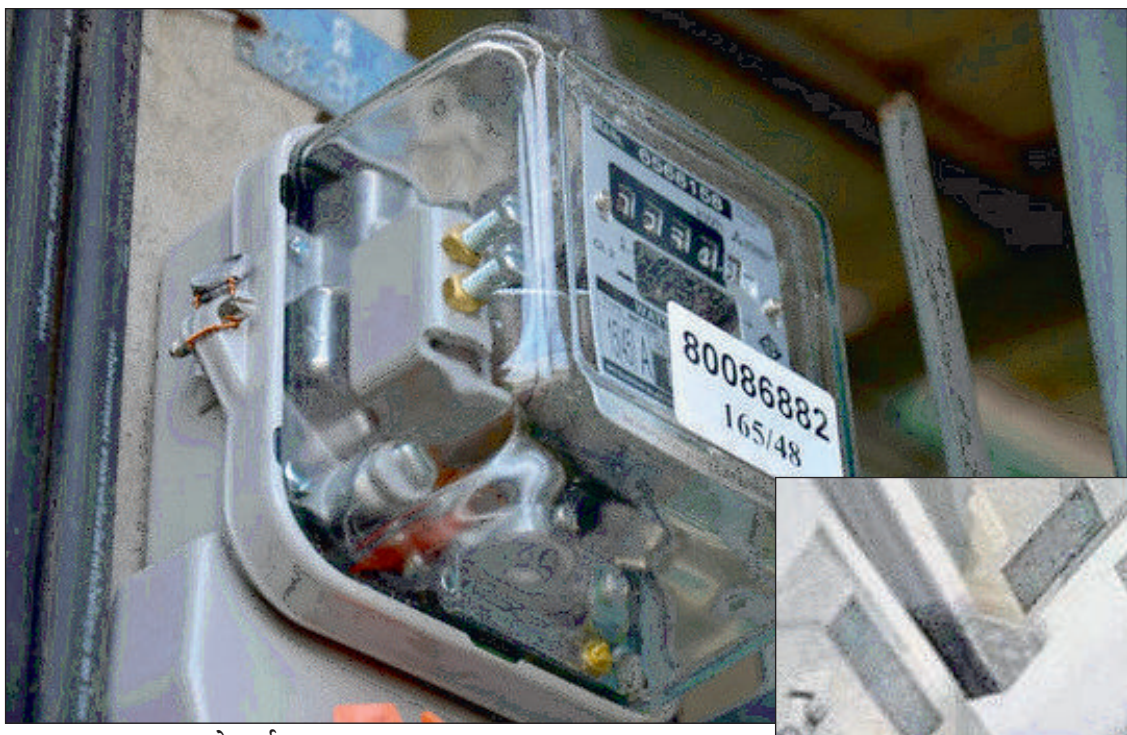

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

क्या? आपके घर का बिजली बिल भी ज्यादा आता है। अब बिजली का बिल तो उतना ही आएगा जितना आप बिजली का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन अगर आप बिजली का इस्तेमाल कम करते हैं और फिर भी बिजली का बिल ज्यादा आता है तो इन चीजों का इस्तेमाल करना कम कर दे। इन उपकरणों को हटाने के बाद आप अपने घर का बिजली बिल कम कर सकते हैं। साथ ही आपको इससे कोई परेशानी नहीं होगी। तो आइए जानते हैं किन तरीकों से कम किया जा सकता है बिल-

आमतौर पर किचन में चिमनी का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह सबसे ज्यादा बिजली बिल की खपत करने वाले उपकरणों की लिस्ट में भी शामिल है। हालांकि, गर्मी के मौसम में चिमनी चलाना जरूरी हो जाता है। लेकिन इससे घबराने की जरूरत नहीं है। क्योंकि बाजार में इसकी जगह और भी कई चीजें हैं जिनका इस्तेमाल आप चिमनी की जगह कर सकते हैं. साथ ही इसके इस्तेमाल से बिजली का बिल भी काफी कम होने लगता है।

गीजर घर में बिजली की भी काफी खपत करता है। ऐसे में आपको बेहद सावधान रहने की जरूरत है। खासकर इलेक्ट्रिक गीजर से परेशानी हो सकती है। इसलिए यह बहुत जरूरी है कि आप इसके बजाय कोई दूसरा विकल्प खोजें। इसकी जगह गैस गीजर सबसे अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। आप इलेक्ट्रिक गीजर की जगह गैस गीजर का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह न केवल अच्छा काम करता है, बल्कि इससे बिजली की भी काफी बचत होती है।

घर में सबसे ज्यादा बिजली की खपत करने वाले उपकरणों की सूची में एसी का नाम शामिल है। लेकिन यह भी एक ऐसा डिवाइस है जिसे आप घर से नहीं हटा सकते। लेकिन आप नॉन-इन्वर्टर एसी की जगह इन्वर्टर एसी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इन्वर्टर एसी का सीधा सा मतलब है कि बिजली की बचत करना सबसे अच्छा है। क्योंकि इसके आउटडोर में PCB होता है जो कंप्रेसर की स्पीड को रेगुलेट करता है। कंपनी का दावा है कि इन्वर्टर एसी 15% तक बिजली बचाता है।

अब ये सब पढ़ने के बाद आप सोच रहे होंगे की ये तो हम पहले से ही जानते थे. तो हम आपको दो ट्रिक बताते हैं।क्या आपका मीटर ओवरलोडिंग है?अपने मीटर को ध्यान से जांचें, कभी किसी ने चोरी-छिपे कनेक्शन तो नहीं लिया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा के राजनैतिक/ मीडिया/ सोशल मीडिया सलाहकार बने अमरजीत सिंह

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन माहरा ने अमरजीत सिंह को अपना राजनैतिक/मीडिया/सोशल मीडिया सलाहकार नियुक्त किया है। महरा ने उनसे अपेक्षा की है कि वे पूर्व की भाँति पार्टी के लिए लगातार कार्य करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि सिंह ने पूर्व में भी सोशल मीडिया के साथ-साथ पूर्व अध्यक्ष यषपाल आर्य, प्रीतम सिंह एवं गणेश गादियाल के साथ भी सोशल मीडिया का काम बहुत ही समर्पित भाव से करते रहे हैं। विगत लोकसभा व विधानसभा चुनाव में भी अमजीत सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से पार्टी को मजबूती प्रदान करने का काम किया। निश्चित ही उनके अनुभवों का लाभ पार्टी को मिलता रहेगा।

इस असवर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष संगठन मथुरा दत्त जोशी ने अमरजीत सिंह को बधाई देते हुए कहा कि वे पूर्व में भी पार्टी के महत्वपूर्ण पदों में रहे हैं। निश्चित रूप से आने वाले समय में पार्टी को उनके अनुभवों का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर उपाध्यक्ष संगठन मथुरा दत्त जोशी, महामंत्री संगठन विजय सारस्वत, उपाध्यक्ष पूरन सिंह रावत, दर्षन लाल, महामंत्री जसविन्द सिंह गोगी, नवीन जोषी, मीडिया पेनेलिश्ट गरिमा महरा दसौनी, सुवर्शा पॉल, मनीश नागपाल, याकूब सिद्दिकी, विषाल मौर्या ने भी अमरजीत सिंह को बधाई दी है।

भर्ती आयोग को भंग करने और CBI जाँच की करेंगे माँग : भुवन कापड़ी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड कांग्रेस के विधायक और उप नेता प्रतिपक्ष उत्तराखंड भुवन कापड़ी ने बड़ा एलान किया है उन्होंने कहा है कि अधीनस्थ चयन आयोग के अध्यक्ष ने इस्तीफा देकर साबित कर दिया है की आयोग मैं नौकरियों में भ्रष्टाचार चल रहा था। उनका कहना है कि प्रदेश के नौनिहाल के रोजगार को नौकरी माफियायो के द्वारा बेचा जा रहा था जो कि पूरे प्रदेश के लिए दुर्भाग्य की बात है। धामी सरकार को आयोग को तत्काल प्रभाव से भंग करना चाहिए एवं आयोग के सभी अधिकारी कर्मचारियों की संपत्ति की एवं पूरे कार्यकाल की जांच करानी चाहिए। नौकरी देने वाले आयोग में इस प्रकार की घटना प्रदेश में लाखों युवाओं के मनोबल को तोड़ती है जो लंबे समय से सरकारी नौकरियों की तैयारी कर रहे हैं सरकार को विवादित भर्तियों की सीबीआई जांच करानी चाहिए एवं अपराधियों पर कठोर से कठोर कार्रवाई कर उनकी संपत्तियों को जो उनके द्वारा भ्रष्टाचार से ली गई हैं जब्त करना चाहिए।

सीएम धामी ने दिल्ली दौरे में किया निर्माणाधीन 'उत्तराखण्ड निवास' का निरीक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में निर्माणाधीन भवन 'उत्तराखण्ड निवास' का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माण कार्य, गुणवत्ता बनाए रखते हुए तय की गई निर्धारित समय सीमा में पूरा करना सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर धामी द्वारा उत्तराखण्ड निवास के नक्शे का अवलोकन करते हुये भवन के सभी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी ली।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कार्यदाई संस्था को निर्देशित करते हुए कहा कि नये बन रहे ₹उत्तराखंड निवास₹ में कार्य की सुगमता के दृष्टिकोण से उत्तराखंड स्थानिक आयुक्त कार्यालय व उत्तराखंड राज्य सूचना केंद्र को उक्त भवन में स्थापित किए जाने के संबंध में विचार किया जाये।

3, गोपीनाथ बारदोलाई मार्ग, चाणक्यपुरी नई दिल्ली में जून 2020 से उत्तराखण्ड निवास का काम शुरू किया गया। भवन में तीन बेसमेन्ट होंगे। है। भवन में भू-तल को सम्मिलित करते हुए कुल सात तल बनाए जाएंगे। भवन उत्तराखण्ड वास्तुकला शैली में बनाया जायेगा। ग्रीन भवन की तर्ज पर बनाए जा रहे इस भवन का अपना सीवेज सोधन संयत्र होगा। भवन में 50 किलो वाट क्षमता का सोलर पावर प्लांट भी है। उत्तराखण्ड निवास का निर्माण कार्य संभावित 2023 तक पूरा कर लिया जायेगा।

इस अवसर पर सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम, निदेशक सतर्कता अमित सिन्हा, अपर स्थानिक आयुक्त अजय मिश्रा व उत्तराखण्ड पेयजल निगम के सहायक अभियन्ता अरविन्द सैनी उपस्थित थे।

मंडप पे अपनी ही दुल्हन को प्यार से छूने के बाद, दुल्हन ने कर दी दूल्हे की जमकर पिटाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अगर शादियों में कोई फनी किस्सा न हो तो शादियों में मजा कहा, चाहे वह फूफा जी की नाराजगी का किस्सा हो या फिर शराब पीकर भाइयों की लड़ाई का, यही तो है। हर तरह के सीन देखने को मिलते हैं। कभी बाराती अपने फनी अंदाज से सबका दिल जीत लेती है तो कभी दूल्हा-दुल्हन अपनी यूनिक एंट्री से हंगामा कर देते हैं. कई बार दूल्हा-दुल्हन के बीच लड़ाई की खबरें भी सामने आती हैं। इस बार भी दूल्हा-दुल्हन का हे एक ऐसा किस्सा है जिससे देख के सब लोग हंसते रह गए।जिसमें मंडप में ही दूल्हा-दुल्हन आपस में भिड़ जाते हैं। दरअसल ऐसा होता है कि दूल्हा फेरे से पहले ही अपनी दुल्हन के साथ मस्ती करने लगता है, लेकिन उसे यह बात अच्छी नहीं लगती और वह बुरी तरह नाराज हो जाती है।

आइए आपको पूरी कहानी विस्तार से बताते हैं। दूल्हा और दुल्हन मंडप में बैठे होते हैं और शादी से जुड़ी रस्में निभा रहे होते हैं। कुछ देर में दोनों फेरों के लिए खड़े ही होने वाले थे कि दूल्हे को मस्ती चढ़ गई और वो दूल्हे को चिढ़ाने लगा। दुल्हन उसकी इस हरकत से काफी नाराज हो गई और मेहमानों के सामने ही दूल्हे के ऊपर कूद पड़ी वहां मौजूद मेहमान को भी एक पल के लिए शॉक लग गया। देखते ही देखते दोनों में जमकर मारपीट शुरू हो गई।दूल्हा-दुल्हन को इस तरह से भिड़ते देख सारे-सारे के उनकी हरकत पर हंसने लगे।

उत्तराखंड में इस जगह बन रही है देश की सबसे लंबी सुरंग, जानिए क्यों

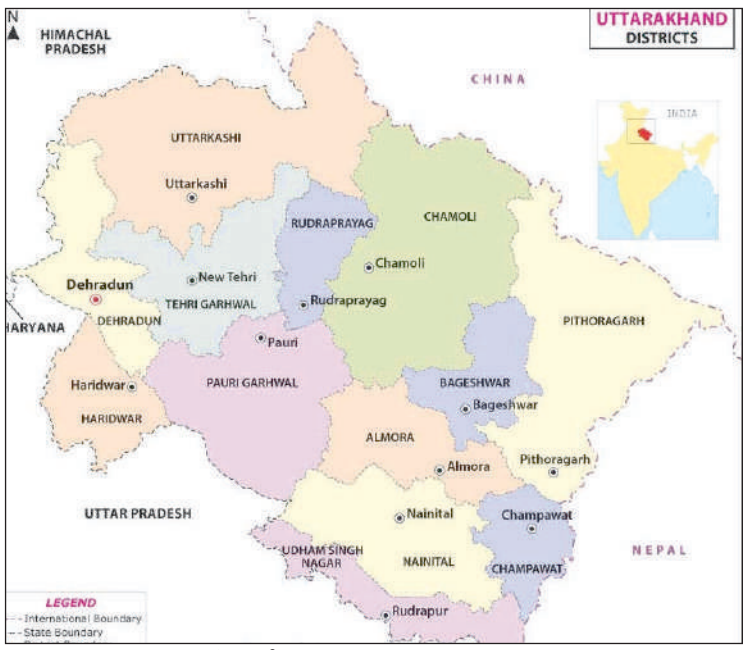

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में बनने जा रही है देश की सबसे लंबी डबल ट्यूब रेल टनल आपको बता दे की महत्वाकांक्षी ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना पर बनने वाली देश की सबसे लंबी डबल ट्यूब रेल टनल जो की (14.08 किमी) के निर्माण में टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) का उपयोग किया जा रहा है। यह मशीन मेड इन जर्मन है और सीधा जर्मनी से मंगवाई जा रहा है। यह मशीन जर्मनी में तैयार दो टीबीएम भारत पहुंच चुके हैं। जल्द ही उन्हें कंस्ट्रक्शन साइट पर ले जाकर फिर से असेंबल किया जाएगा और दो महीने की इस प्रक्रिया के बाद दिसंबर से यह मशीन टनलिंग का काम शुरू कर देगी।

125 किलोमीटर लंबी ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल की 16216 करोड़ रुपये की लागत से बन रही है। परियोजना की 105 किलोमीटर लंबी रेल लाइन 17 सुरंगों से होकर गुजरेगी. इस परियोजना पर देश की सबसे लंबी (14.08 किमी) रेल सुरंग भी निर्माणाधीन है। देवप्रयाग (सौर) से जंसू तक की यह रेल सुरंग डबल ट्यूब (आंदोलन के लिए अलग सुरंग) होगी। इन दोनों सुरंगों की खुदाई के लिए अत्याधुनिक तकनीक से बने टीबीएम का इस्तेमाल किया जा रहा है। इन 14.8 किमी लंबी सुरंग में से 11 किमी टीबीएम और बाकी ड्रिल और ब्लास्ट तकनीक से तैयार की जाएगी। प्रोजेक्ट पैकेज-4 का यह काम देश की नामी कंपनी एलएंडटी कर रही है। करीब एक साल पहले एलएंडटी ने दो मशीनों के निर्माण के लिए जर्मन कंपनी हेरॉन कनेक्ट के साथ करार किया था। अब दोनों टीबीएम तैयार हैं और समुद्री मार्ग से भारत पहुंच चुके हैं। इन मशीनों को भू-संरचना और सुरंग के आकार के अनुसार डिजाइन किया गया है।रेल विकास निगम (ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना) के वरिष्ठ परियोजना प्रबंधक ओमप्रकाश मालगुडी ने कहा कि दोनों मशीनें अलग-अलग हिस्सों में भारत पहुंच चुकी हैं. इन्हें अब कंस्ट्रक्शन साइट पर ले जाना होगा, जहां इन्हें फिर से असेंबल किया जाएगा। इस काम में करीब दो माह का समय लगेगा। दिसंबर 2022 में इन टीबीएम मशीनों से टनलिंग का काम शुरू किया जाएगा।हिमालय क्षेत्र के प्रत्येक स्थान की एक अलग स्थलाकृति है। देवप्रयाग से जंसू तक, जहां सबसे लंबी डबल ट्यूब रेल सुरंग का निर्माण किया जाना है, जमीन में ग्रे चट्टानें हैं। इन्हें फीलाइट चट्टानों के रूप में जाना जाता है। ये ग्रे चट्टानें पानी आने की स्थिति में खिसक जाती हैं, जिससे यहां ड्रिल और ब्लास्ट तकनीक से सुरंग बनाना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

इसलिए यहां टीबीएम के जरिए सुरंग तैयार करने का निर्णय लिया गया। वरिष्ठ परियोजना प्रबंधक ओमप्रकाश मालगुडी का कहना है कि टीबीएम तकनीक से रोजाना छह से दस मीटर सुरंग तैयार की जा सकती है।

प्लास्टिक बैन से लोगों को हो रहा इस बिजनेस में लाखों का फायदा, आप भी शुरू करें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

करोना काल से पहले भी एक बार सरकार द्वारा प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, उस समय भी कई लोग जो प्लास्टिक का व्यवसाय करते थे, उन्हें व्यापार में बहुत नुकसान हुआ, वहीं दूसरी ओर कई लोगों को रोजगार भी मिला। क्योंकि प्लास्टिक बैन के बाद तरह-तरह के पॉलीबैग भेजे जा रहे थे जो विदेशी जूट, जूट के कपड़े आदि से बनाए जाते थे।

ऐसे में इस पॉली पैक को बनाने का व्यवसाय एक बहुत अच्छा विकल्प है क्योंकि इस व्यवसाय को करने से वर्तमान समय में काफी मुनाफा हो सकता है क्योंकि प्लास्टिक पर प्रतिबंध के कारण लोगों के पास बाजार का सामान ले जाने के अलग-अलग तरीके हैं। ऐसे में अगर आप भी इस बिजनेस को शुरू करते हैं तो आप लाखों का मुनाफा कमा सकते हैं बाजार में बहुत से सेल्समैन हैं जो सामान बेचते हैं, उन्हें प्लास्टिक के अलावा अन्य सामग्री से बने बैग की जरूरत होती है और यहां कई तरह के बगीचे हैं। मंडी। मांग बहुत ज्यादा है।अगर कोई इन बैगों को बनाने का व्यवसाय शुरू करता है तो उनके द्वारा बनाए गए सभी बैग बाजार में आसानी से दिखाई देंगे क्योंकि अब प्लास्टिक के बंद होने से प्लास्टिक पॉलीबैग बाजार में बंद हो गए हैं और आपको इस व्यवसाय से बहुत कुछ मिलेगा। आपको अधिक लाभ मिल सकता है। बुने हुए बैगों का लोगों द्वारा बहुत अधिक उपयोग किया जा रहा है, ऐसे में यदि आप इसे वापस बनाने का व्यवसाय शुरू करते हैं, तो आपका व्यवसाय बहुत जोर-शोर से चलेगा और आपको इस व्यवसाय में बहुत अधिक लाभ प्राप्त हो सकता है।इसे शुरू करने में कितना खर्च आएगा : यदि आप प्लास्टिक के अलावा अन्य प्रकार की सामग्री से बने बैग का व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको शुरुआत में कुछ राशि खर्च करनी होगी क्योंकि इस व्यवसाय में आपको पहले तीन मशीनें खरीदनी होंगी क्योंकि बनाने के लिए मशीनों की आवश्यकता होती है। बैग और तीनों मशीनों की कीमत लगभग ₹100000 है, जिसका नाम है सीलिंग मशीन, फैब्रिक कटिंग मशीन और हाइड्रोलिक पंचिंग मशीन। हर व्यवसाय में पैसा लगाया जाता है, लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें लाभ होगा। निवेश कम लाभ ज्यादा इन्वेस्टमेंट कम प्रॉफिट ज्यादा। अगर आप नॉन वॉवन बैग बनाने का बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो यह आपके लिए बहुत अच्छा विकल्प है क्योंकि इस समय बाजार में इस बैग की मांग काफी बढ़ गई है। जब प्लास्टिक पर प्रतिबंध नहीं था, उस समय इस बैग का निर्माण बहुत कम था, लेकिन जब से प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया गया है, तब से यह बैग बड़ी संख्या में बनाया जा रहा है और बाजार में बेचा जा रहा है। यदि आप इन सभी चीजों को निवेश करके इस व्यवसाय को शुरू करते हैं तो आपका उत्पाद बहुत अधिक मात्रा में बाजार में बिकेगा, जिससे आपको लाखों रुपये का लाभ हो सकता है। गैर-बुना बनाने की कुछ विधियाँ इस प्रकार हैं : इस बैक को बनाने के लिए सबसे पहले एक फैब्रिक मशीन की जरूरत होती है, इस मशीन के जरिए कपड़े को बेड के आकार में काटा जाता है। इसके बाद इस बैग को बनाने में एक और मशीन का योगदान होता है, जिसका नाम है सीलिंग मशीन, इस मशीन द्वारा काटे गए कपड़े को तीन और से सिला जाता है। जब इन दोनों मशीनों के माध्यम से इतना काम किया जाता है तो उसके बाद हाइड्रोलिक पंचिंग मशीन होती है, यह मशीन बैगों के हैंडल को काटती है।

जब यह बैग तैयार हो जाता है, तो इसे एक प्रिंटिंग मशीन द्वारा बिंदु पर मुद्रित किया जाता है। और कुछ व्यवसायी इस बात पर छपाई नहीं करते हैं और किसी कंपनी के आदेश के अनुसार बगीचों में छपाई मशीन के माध्यम से छपाई करवाते हैं। जिससे इसका लुक अच्छा लगने लगता है और लोग गुड लुकिंग बैग्स ही पसंद करते हैं।

संपादकीय

डेटा सुरक्षा हेतु विधेयक

ऑनलाइन माध्यमों पर सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों के बढ़ने के साथ गोपनीयता और डेटा सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं भी बढ़ रही हैं. डेटा संरक्षण से जुड़ी चुनौतियों के प्रभावी समाधान हेतु सरकार अब व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक के स्थान पर डिजिटल पारिस्थितिकी हेतु एक व्यापक कानूनी ढांचा तैयार करने जा रही है. इसमें नये टेलीकॉम नियमों, सूचना प्रौद्योगिकी नियमों और उपभोक्ता निजता कानूनों को शामिल किया जायेगा. केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव के मुताबिक, नया व्यापक कानूनी मसौदा आज की डिजिटल अर्थव्यवस्था के अनुरूप होगा. अधिकांश डेटा खपत मोबाइल फोन के जरिये हो रहा है. नये कानून में बड़ी तकनीकी कंपनियों से मीडिया सुरक्षा और आईटी मध्यस्थ नियमों में सुधार भी प्रस्तावित है. सरकार जल्द ही हितधारकों के साथ परामर्श शुरू करेगी. संसद में 2019 में व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक पेश किया गया था. बाद में इसे जांच हेतु संयुक्त समिति को भेजा गया. तीन वर्षों तक चले परामर्श के दौरान विधेयक में 81 संशोधन और अनेक सुझाव प्राप्त हुए. ऐसे में सरकार ने पुराने मसौदे की जगह अब नये सिरे से तैयारी शुरू कर दी है. इसमें सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों का भी संज्ञान लिया जा रहा है. संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2019 में दुनियाभर में डेटा सेंधमारी के 7000 से अधिक गंभीर मामले सामने आये. आशंका है कि 2024 तक वैश्विक स्तर पर डेटा सेंधमारी से पांच ट्रिलियन डॉलर का नुकसान हो सकता है. इसी कारण डेटा संग्रहण, प्रबंधन और डेटा साझा करने से जुड़ी चिंताओं को लेकर सरकारें सतर्क हो रही हैं. वर्ष 2017 के बाद से देश में डेटा सेंधमारी बढ़ी है. ऐसे में निजता और गोपनीयता के सवाल को अनुत्तरित नहीं छोड़ा जा सकता. केएस पुट्टास्वामी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने डेटा गोपनीयता को अनुच्छेद-21 के तहत मौलिक अधिकार घोषित किया है. डिजिटल अर्थव्यवस्था के विकास में भागीदार लगभग सभी कंपनियों का मुख्यालय विदेशों में है. वे अन्यत्र अधिकार क्षेत्र में डेटा का निर्यात भी करती हैं. यह देश के लिए न केवल आर्थिक नुकसान है, बल्कि सुरक्षा के नजरिये से भी चिंताजनक है. डेटा के इस्तेमाल और नियंत्रण में शामिल ऐसी सभी कंपनियों की जवाबदेही अनिवार्य करने की जरूरत है. ऊर्जा, रियल एस्टेट और इंटरनेट कनेक्टिविटी के क्षेत्र में बुनियादी ढांचा मजबूत करना होगा, तभी डेटा संरक्षण पुख्ता होगा, साथ ही देश डेटा सेंटर का एक वैश्विक हब बन सकेगा. वर्तमान में डेटा से जुड़े नियमों में निरंतर सुधार की जरूरत है. चूंकि, डेटा संरक्षण डिजिटल अर्थव्यवस्था के संतुलित विकास के लिए आवश्यक है, अतः भारत को यूरोपीय संघ के जीडीपीआर (जनरल डेटा प्रोटेक्शन रिजीम) जैसे कड़े कानून लागू करने होंगे, तभी साइबर दुनिया की अज्ञात और अनगिनत चुनौतियां का प्रभावी समाधान किया जा सकेगा.

उम्र से पहले हो रहे हैं सफेद बाल, छोड़े कलर लगाना और करें इसका इस्तेमाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आज के दौर में बिजी लाइफस्टाइल और गलत खान-पान की वजह से युवाओं के बाल भी सफेद होने लगे हैं। पुराने जमाने में घुँघराले बालों को बुढ़ापे की निशानी माना जाता था। लेकिन आजकल स्थिति बहुत बदल गई है। अगर आप अपने सफेद बालों को फिर से काला करना चाहते हैं तो बालों को सुखाने का सहारा न लें क्योंकि इससे बाल बेजान हो सकते हैं। इसके बजाय, प्राकृतिक सुझावों का पालन करें। क्या आप जानते हैं आम के पत्तों की मदद से आप पके बालों को फिर से काला कर सकते हैं।

मेलेनिन की कमी होने पर हमारे बाल सफेद हो जाते हैं, लेकिन कम पोषक तत्व वाले खाद्य पदार्थ खाने के कारण युवाओं को भी इस समस्या का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा जो लोग ज्यादा टेंशन या स्ट्रेस लेते हैं उनके बाल जल्दी पक जाते हैं। सफेद बालों के कारण व्यक्ति का लुक खराब हो जाता है और उसे शर्मिंदगी और कम आत्मविश्वास का सामना करना पड़ता है। अगर आप सफेद बालों को फिर से काला करना चाहते हैं, तो प्राकृतिक उपाय अपनाएं। इसलिए आम के पत्ते आपके बहुत काम आ सकते हैं। आइए जानते हैं कि आप इन पत्तों का इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं।आम के पत्तों में कुछ ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो हमारे बालों के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं, इसमें विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन सी, मैग्नीशियम, पोटेशियम और कॉपर होता है। इसके अलावा आम के पत्तों में फिनोल नाम का एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो हमारे बालों को पकने से रोकता है और उन्हें फिर से काला करने में मदद करता है। इसके साथ ही इसमें कोलेजन और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जो बालों को चमकदार बनाते हैं।

आपको बता दें कि इस तरह से आम के पत्तों का इस्तेमाल सबसे पहला तरीका है, पहले आम के पत्तों को तोड़ लें और अब इसे पीसकर पेस्ट तैयार कर लें। अब इसे बालों पर लगाकर करीब आधे घंटे के लिए छोड़ दें। अंत में सिर को साफ पानी से धो लें। अगर आप इस आसन को नियमित रूप से दोहराते हैं तो कुछ ही हफ्तों में बाल काले, लंबे और घने हो जाएंगे।दूसरा तरीका यह है कि आम के पत्तों के साथ अमरूद के कुछ पत्ते लेकर उन्हें एक बर्तन में पानी के साथ उबाल लें। जैसे ही पानी का रंग बदल जाए, बर्तन को आंच से उतार लें और इसके ठंडा होने का इंतजार करें। अब इस पानी को स्कैल्प पर लगाएं। ऐसा नियमित रूप से करने से बालों का कालापन जल्दी वापस आ जाएगा।

अपने आप फालतू मेल डिलीट करने की ट्रिक जानना चाहते हो तो पढ़ें ये खबर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

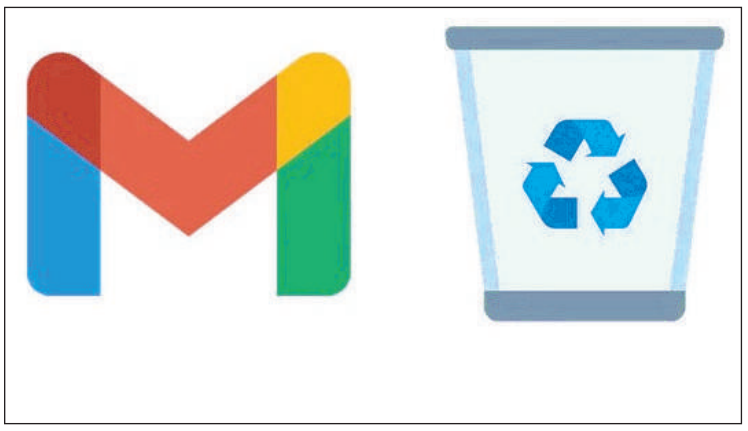

क्या आप भी अनावश्यक मेल्स से परेशान हो ? क्या अनावश्यक मेल्स के कारण आपका जीमेल बहुत भरा हुआ है? क्या आपके भी जीमेल पर स्पैम मेल्स काफी जगह ले लेते हैं? क्या आपके भी काम के मेल्स बेकार के मेल्स की वजह से मिस हो जाते हैं। तो आज हम आपको एक इस खबर में ऐसी चतुर ट्रिक के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसकी मदद से आपके जीमेल अकाउंट पर आने वाले सभी अनावश्यक मेल अपने आप डिलीट हो जाएंगे। अगर आप सोच रहे हैं कि ऐसा कैसे हो सकता है तो आइए हम आपको इसकी प्रक्रिया के बारे में बताते हैं। जीमेल आपको एक विशेष सुविधा प्रदान करता है, "Filters for auto-deletion", अवांछित मेलों को स्वचालित रूप से हटाने के लिए।आइए अब हम आपको इसके स्टेप्स बताते हैं। सबसे पहले अपना जीमेल अकाउंट ओपन करें। अब सर्च बार में आपको 'फिल्टर' का विकल्प दिखाई देगा। ऐसा भी हो सकता है कि आपको सर्च बार में 'फिल्टर' का विकल्प न दिखे। अगर ऐसा होता है तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। ऐसे में यह विकल्प आपको सेटिंग्स में 'फिल्टर्स एंड ब्लॉक्ड एड्रेस' के टैब में मिलेगा, जिसमें आपको बस 'क्रिएट फिल्टर' पर क्लिक करना है। 'Filter' ऑप्शन पर क्लिक करने के बाद आप देखेंगे कि सबसे ऊपर 'From' लिखा होगा। बस उन ईमेल का नाम या ईमेल पता टाइप करें जिन्हें आप हटाना चाहते हैं। इस तरह से उन मेल एड्रेस को सेलेक्ट कर लिया जाएगा, जिनके मेल आपको पसंद नहीं हैं।

निशुल्क नेत्र जांच एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रोटरी क्लब दून शिवालिक हिल्स, जगतबंधु सेवा ट्रस्ट एवं श्री महंत इंद्रेश अस्पताल के सौजन्य से निशुल्क नेत्र जांच एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन गैलेक्सीयन इंटरनेशनल स्कूल चंद्रबनी में किया गया, जिसमें 100 से अधिक मरीजों की जांच कर उन्हें निशुल्क दवाइयां प्रदान की गई1 श्री महंत इंद्रेश अस्पताल से डॉक्टर शिवानी, डॉक्टर पारिजात एवं एडिशनल स्टाफ के द्वारा सभी मरीजों की जांच की गई 1 रोटरी क्लब की उत्तराखंड स्टेट कोऑर्डिनेटर जागृति नवानी के द्वारा बताया गया कि रोटरी के माध्यम से 5000 ऑपरेशन कराने का लक्ष्य रखा गया है जिसमें उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नेत्र जांच शिविर लगाकर मरीजों को

चयन किया जाएगा एवं उसके बाद उन्हें अलग-अलग अस्पतालों में ऑपरेशन कराया जाएगा 1 रोटरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन वी पी कालटा के द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि पहाड़ी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नेत्र जांच शिविर लगाए जाए जिससे ज्यादा से ज्यादा ग्रामीण क्षेत्र वासी लाभ उठा सके 1 सभी नेत्र जांच शिविर में निशुल्क दवाइयां, शुगर जांच, बीपी जांच एवं मोतियाबिंद से ग्रस्त मरीजों के ऑपरेशन निशुल्क कराए जाएंगे 1 रोटरी क्लब दून शिवालिक हिल्स अध्यक्ष तपन कौशिक के द्वारा बताया गया कि शिविर में 20 मरीजों का ऑपरेशन के लिए चयन किया गया है, उन्हें कल बस के द्वारा श्री महंत इंद्रेश अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा, जहां पर सभी मरीजों का आपरेशन, रहना खाना, दवाइयां, लेंस, चश्मा इत्यादि सभी प्रकार की सेवाएं निशुल्क प्रदान की जाएगी 1 शिविर में सेक्रेटरी दीवेश गर्ग, गोपाल दत्त शर्मा, वेलफेयर डायरेक्टर दिलीप कुमार शर्मा, सुमित प्रजापति, गौतम इत्यादि सभी क्षेत्रवासी मौजूद रहे 1

चिकित्सा एवं रेडक्रास विभाग की समीक्षा बैठक में डीएम सोनिका ने दिए निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून की जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्टेट में चिकित्सा एवं रेडक्रास विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की अद्यतन प्रगति की जानकारी लेते हुए सम्बन्धित अधिकारी को नियत समय पर बैठक कराने के दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने रेडक्रास की कार्यप्रगति की जानकारी लेते हुए सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को स्वयंसेवी एवं कार्मिकों के सहयोग से हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने जनपद में कोविड टीकाकरण की स्थिति एवं 12 से 14 व 15 से 17 वर्ष के बच्चों/युवाओं को लगने वाले टीकों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने रूटीन वाले टीकाकरण कार्यक्रम की स्थिति की भी जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिए कि रूटीन टीकाकरण में कोई ग्रेप न रहे। साथ ही पहाड़ी क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाने तथा निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने उपस्थित सभी चिकित्सा अधिकारियों को संबंधित डीएचसी, सीएचसी, पीएचसी में व्यवस्थाओं सुधार लाने के निर्देश दिए। साथ ही यदि कहीं पर स्टाप, उपकरण आदि की कमी हो तो प्रस्ताव बनाए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक राजकीय चिकित्सालय ऋषिकेश को चिकित्सालय में व्यवस्थाओं में सुधार लाने के निर्देश दिए। साथ ही जनपद में अवस्थित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर डाटा एंट्री एनसीपी पोर्टल पर अद्यतन करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने मानसिक चिकित्सालय सेलाकुई में भवन निर्माण के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। जनपद में गर्भवती महिला एवं शिशु मृत्यु का आडिट कराने के निर्देश दिए। उन्होने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को जनपद में एचआईवी, टीबी के रोगियों का आंकड़ा अगली बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 मनोज कुमार उप्रेती, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी दिनेश चैहान, डॉ0 सी.एस रावत, डॉ0 के.एस गुंजियाल, डॉ0 वदना सेमवाल, डॉ0 निधि रावत, डॉ0 सुबोध नौटियाल, डॉ0 शिखा जंगपांगी सहित संबंधित चिकित्सालयों के चिकित्सक उपस्थित रहे।

पीआरडी जवानों ने प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना को सुनाई फरियाद , मांगी मदद

■ पांच महीने बाद भी पीआरडी जवानों को वेतन न देना सरकार की युवाओं के प्रति गंभीरता दर्शाता है - धस्माना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दो साल तक कोविड काल में एसडीआरएफ में तैनात 62 पीआरडी जवानों के वेतन के मामले में राज्य सरकार की उदासीनता व लापरवाही गरीब अल्प वेतन भोगी पीआरडी जवानों पर इतनी भारी पड़ रही है कि एक तो वेतन की मांग करने पर नाराज़ अधिकारियों ने उनको डयूटी से ही हटा दिया और उसपे तुर्रा ये कि अप्रैल से जुलाई के वेतन आज तक नहीं मिला। परेशान पीआरडी के जवान आज एक बार फिर प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना के पास अपनी पीड़ा लेकर पहुंचे।सूर्यकान्त धस्माना जो इस मामले को पीआरडी अधिकारियों से लेकर एसडीआरएफ , शासन , मुख्य सचिव व मुख्यमंत्री के पास तक ले गए थे आज एक बार फिर फोन पर अपर सचिव युवा कल्याण अभिनव कुमार से बात की व उनको पीआरडी के जवानों की समस्या याद दिलाई , अपर सचिव ने कहा कि वे मुख्यमंत्री धामी के साथ दिल्ली दौरे में हैं व वहां से वापस लौट आने पर प्रकरण को देखेंगे। कांग्रेस लीडर धस्माना ने पीआरडी के इन 62 जवानों के मामले में सरकार की उदासीनता व लापरवाही पर टिप्पणी करते हुए कहा कि जो सरकार पीआरडी के 62 जवानों के हक़ के वेतन पर निर्णय नहीं ले पा रही है वो हज़ारों की संख्या में अग्निपथ योजना से पैदा होने वाले बेरोजगार अग्निवीरों को क्या आश्वासन रोजगार का दे सकती हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद भी जब अधिकारियों की गैर जिम्मेदारी के कारण अल्प वेतन भोगी कर्मचारी जिनके घरों में चूल्हा जलना भी मुश्किल हो गया है तो पूरे प्रदेश का निज़ाम कैसे चल रहा होगा इसका अंदाज़ा लगाया जा सकता है।

फिजियोहीलिंग होम केयर एंड रिहैबिलिटेशन क्लिनिक की ओर से कार्यशाला आयोजित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून । आज फिजिओहीलिंग होम केयर एंड रिहैबिलिटेशन क्लिनिक की ओर से डॉ जसलीन कालरा शर्मा के नेतृत्व में एक एमिटी एनसीआरटी सर्वाइकल स्पाइन पर कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यशाला में डॉक्टर विवेक चौहान ने भावी फिजियोथैरेपिस्ट प्रतिभागियों को उक्त दोनों तकनीकों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इन दोनों तकनीकों का उपयोग क्या होगा और कैसे हम सर्वाइकल की जो परेशानियां हैं वह इन दोनों तकनीकों से सही किया जा सकता है। एक दिवसीय कार्यशाला का समापन सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया । जिसमें प्रतिभागी पंजाब चंडीगढ़ और देहरादून के कई कॉलेजेस से मौजूद थे।

व्हाट्सअप से जुडी बड़ी खबर ! तुरंत जान लीजिये

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

वॉट्सऐप फोन नंबर शेयरिंग ऑप्शन नामक एक फीचर पर काम कर रहा है. यह फीचर यूजर्स को सब-ग्रुप्स में अपना फोन नंबर हाइड करने की अनुमति देगा. दरअसल, वॉट्सऐप एक ऐसी मैसेजिंग एप्लिकेशन है, जहां आप या तो किसी व्यक्ति के साथ व्यक्तिगत रूप से चैट कर सकते हैं या एक समूह बना कर बात कर सकते हैं. आप ग्रुप बनाकर लोगों को उसमें जोड़ भी सकते हैं.

निजता और सुरक्षा सबसे बड़ा मुद्दा

ऐसे में अगर कोई आपको किसी और के साथ ग्रुप में जोड़ रहा है, तो हो सकता है कि उस ग्रुप में ऐसे लोग भी शामिल हों, जिन्हें आप नहीं जानते हैं. ऐसे में आप ग्रुप के दूसरे लोगों का नंबर देख सकते हैं और वे लोग आपका, लेकिन इस फीचर की मदद से आप अपना नंबर हाइड कर सकेंगे.इस फीचर को फ्यूचर अपडेट के साथ शुरू किया जा सकता है. इस फीचर के बारे में जानकारी देते हुए WABetaInfo ने ट्वीट किया और कहा कि वॉट्सऐप एक कम्यूनिटी के कुछ उप-समूहों के लिए फोन नंबर हाइड करने के फीचर पर काम कर रहा है, ऐप के भविष्य के अपडेट में फोन नंबर शेयरिंग विकल्प देने के लिए धन्यवाद !

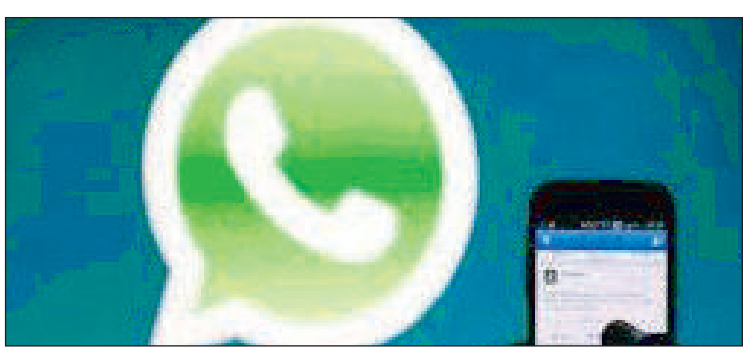

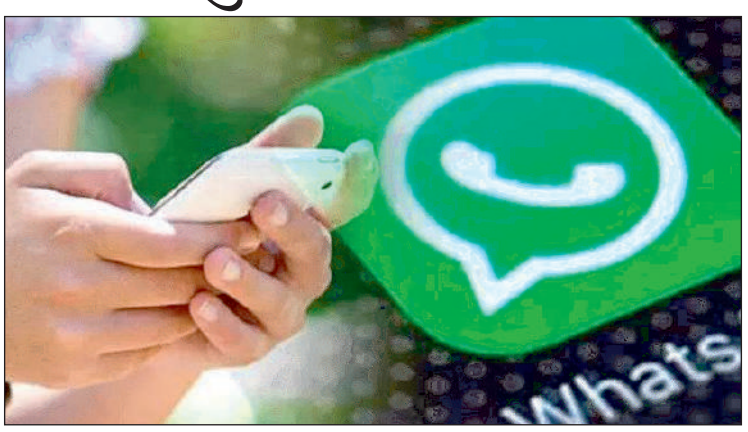

डिफॉल्ट रूप से डिसेबल होगा फीचर

WABetaInfo के मुताबिक फोन नंबर शेयरिंग का विकल्प डिफॉल्ट रूप से डिसेबल होता है. इसका मतलब है कि जैसे ही आप किसी कम्युनिटी में शामिल होंगे, आपका फोन नंबर तुरंत हाइड दिया जाएगा. हालांकि आप किसी कम्युनिटी के WhatsApp Update सब-ग्रुप के साथ अपना नंबर शेयर करना चाहते हैं, तो आप ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं. गौरतलब है कि यह प्राइवेसी ऑप्शन केवल क्यूनिटी तक ही सीमित है और इस पर अभी काम चल रहा है इसलिए, इसके लिए रिलीज की तारीख की कोई जानकारी नहीं है.

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा